पाठ-४

सदाचार

भक्ष्याभक्ष्य विचार

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

☎ 99260-40137

भक्ष्य क्या होता है ?

- जो खाने योग्य सो भक्ष्य

अभक्ष्य क्या होता है ?

- जो खाने योग्य नहीं सो अभक्ष्य

अभक्ष्य खाने से नुकसान क्या ?

- अभक्ष्य खाने से और खाने के भाव से
- आत्मा का पतन होता है।

अभक्ष्य कितने हैं ?

वैसे तो अनेक हैं, पर पाँच भागों में बाँटे जाते हैं

त्रसघात

बहुघात

अनुपसेव्य

नशाकारक

अनिष्ट

पाँच कौन-कौन से?

त्रसघात किसे कहते हैं ?

- जिन पदार्थों के खाने से त्रस जीवों का घात होता है
- जैसे-
  - माँस
  - मधु
  - पंच उदम्बर फल आदि

उदम्बर फल में क्या दोष है?

- इनके मध्य में अनेक सूक्ष्म-स्थूल त्रस जीव पाये जाते हैं, इन्हें कभी नहीं खाना चाहिए।

बहुघात किसे कहते हैं ?

- जिन पदार्थों के खाने से बहुत (अनंत) स्थावर जीवों का घात होता हो
- जैसे-
  - समस्त कंदमूल
  - आलू, प्याज, गाजर, मूली, शकरकन्द, लहसन, आदि

कंदमूल में क्या दोष है ?

✵ इनमें अनंत स्थावर - निगोदिया जीव रहते हैं। इनके खाने से अनंत जीवों का घात होता है ।

अनुपसेव्य किसे कहते है ?

- जिनका सेवन उत्तम पुरुष बुरा समझें,
- वे लोकनिंद्य पदार्थ
- जैसे-
  - लार, मल-मूत्र आदि पदार्थ

अनुपसेव्य में क्या दोष है?

- इनका सेवन लोकनिंद्य होने से तीव्र राग के बिना नहीं हो सकता है

नशाकारक किसे कहते है ?

- जो वस्तुएँ नशा बढ़ाने वाली हों
- जैसे-
  - शराब, सिगरेट, बीडी,तम्बाकू, भांग,अफ़ीम, गांजा आदि

- जीव हिंसा के साथ-साथ
- जीव विवेक खो बैठता है

नशाकारक में क्या दोष है?

अनिष्टकारक किसे कहते है ?

- जो वस्तुएँ शरीर के लिए हानिकारक हों
- जैसे-
  - बुखार में हलवा
  - B.P. में नमक
  - Diabittes में शक्कर,
  - गले खराब में कुल्फी आदि

इनमें क्या दोष है?

- नुकसान करने वाली चीज को जानते हुए भी खाने का भाव अति तीव्र राग भाव हुये बिना नहीं होता

अत: सभी प्रकार का अभक्ष्य त्याग करने योग्य है